आनंद ही आनंद बरस रहा बलिहारी ऐसे सद्गुरु की धन भाग्य हमारे आज हुए शुभ दर्शन ऐसे सद्गुरु के Bhajans Bhakti Songs

आनंद ही आनंद बरस रहा
बलिहारी ऐसे सद्गुरु की ।
धन भाग्य हमारे आज हुए
शुभ दर्शन ऐसे सद्गुरु के ।

पावन कीनी यह भूमि
बलिहारी ऐसे सद्गुरु की ।
क्या रूप अनुपम पायो

है जैसे तारो बीच है चंदा ।
सुरत मूरत मोहन वारी
बलिहारी ऐसे सद्गुरु की ॥

अंतरा

क्या ज्ञान छटा है जैसे इंद्र

घटा बरसत वाणी अमृतधारा ।
वो मधुरी मधुरी अजब धुनी
बलिहारी ऐसे सद्गुरु की ॥

गुरु ज्ञान रूपी जल बरसाकर
गुरु धर्म बगीचा लगा दिया ।
गुरु नाम रूपी जल बरसाकर
गुरु प्रेम बगीचा लगा दिया ।

Source:
https://www.bharattemples.com/aanand-hee-aanand-baras-raha-balihaaree-aise-sataguru-kee/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw